शहीदों के परिवारों से मुलाकात के दौरान उद्गार

दिनांक 7 मार्च 2020

होशियारपुर, पंजाब

यह अत्यन्त गर्व और प्रसन्नता का विषय है कि मुझे ऐसे वीर शहीदों के परिवारों से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है, जिनकी एक नहीं बल्कि कई पीढ़ियों ने देश की सेवा करते हुए अपने प्राण न्योछावर किए हैं और धरती माता का नित वंदन किया है।

पंजाब की इस मिट्टी ने अनगिनत महान शहीदों को जन्म दिया है। इसका कण-कण देशभक्ति की भावना में समर्पित है। इस मिट्टी पर अपने कदम रखना ही मेरे लिए सौभाग्य है। मैं इस पुण्य धरा को शत-शत नमन करता हूँ।

हमारा गौरवशाली अतीत और सशक्त वर्तमान एवं उज्ज्वल भविष्य पंजाब की माताओं के हाथों में सुरक्षित है। उनके दयालुता, उनकी करूणा, उनकी वीरता और उनके त्याग का मैं जितना वर्णन करूं, कम है।

पंजाब की धरती में देश भक्ति की ऐसी लहर है जिन्होंने सदा ही देश की हर प्रकार से सेवा की है। मुझे यकीन है कि अतीत से वर्तमान तक और वर्तमान से भविष्य तक के सफर में यहां के माताओं, बहनों, युवाओं, जवानों एवं अनुभवी बहादुरों का योगदान सदैव याद किया जाता रहेगा।

मैं ऐसी माताओं, बहनों और भाइयों से मिलकर गौरवान्वित हूँ जिनके बेटों और भाइयों ने सैनिक के रूप में अपनी वीरता, बहादुरी और शौर्य के कारनामे पूरे देश को दिखाए हैं।

मुझे यह जानकर और भी गर्व हुआ है कि उन शहीदों की विधवाओं ने अपने बेटों-बेटियों को भी फौज में भेजने की बात की है। यह परम देशभक्ति है।

ऐसा इसलिए है कि यहां का इतिहास साहस, बलिदान और स्वतंत्रता के लिए समर्पण के कृत्यों से भरा हुआ है। वे देश के लिए की गई कुर्बानियों का महत्व समझते हैं।

लाला लाजपत राय, शहीद भगत सिंह, शहीद उधम सिंह, जैसे महावीरों की इस धरती ने पूरे भारत को एकजुट रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ये सब हमारे सर्वमान्य क्रांतिवीर थे और रहेंगे।

राष्ट्र के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले शहीदों को याद करते हुए एवं उनके परिवारजनों से मिलकर मेरे मन में अत्यन्त गर्व और संतोष के भाव हैं।

राष्ट्र के लिए जीने और मरने को तैयार ये जांबाज परिवार हमें यकीन दिलाते हैं कि 'उस मुल्क की सरहद को कोई छू नहीं सकता, जिस मुल्क की सरहद की निगहबान हैं आंखें'।

मैं शहीद परिवारों की महिला सदस्यों का विशेष अभिनंदन करता हूँ कि उन्होंने माता, बहन एवं पत्नी के रूप में सैनिक के कर्त्तव्यों के निर्वहन में अपनी विशेष भूमिका निभाई है। कल अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है।

इस अवसर का उल्लेख करते हुए मैं कहना चाहता हूँ कि महिलाओं की, हमारे समाज में एक विशेष भूमिका है। हमारी देशभक्त महिला शक्ति ने पूरे देश को ऐसे रत्न दिए हैं जिसके लिए उनका धन्यवाद करना हम सबका फर्ज है।

शहीद भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव की जब हम चर्चा करते हैं तो दुर्गा भाभी की भी चर्चा करनी होगी। क्योंकि उन्होंने अंग्रेजों के अत्याचारों के विरूद्ध आवाज उठाई।

हमारे सैनिक, सरहदों पर, बर्फीले पहाड़ों पर, चिलचिलाती धूप में, सागर और आसमान में, पूरी बहादुरी और चौकसी के साथ, देश की सुरक्षा में समर्पित रहते हैं। वे बाहरी खतरों से सुरक्षा करके हमारी स्वाधीनता सुनिश्चित करते हैं।

जब हम उनके लिए बेहतर हथियार उपलब्ध कराते हैं, स्वदेश में ही रक्षा उपकरणों के लिए सप्लाई चेन विकसित करते हैं और सैनिकों को कल्याणकारी सुविधाएं प्रदान करते हैं, तब हम अपने स्वाधीनता सेनानियों के सपनों का भारत बनाते हैं।

हमारी पुलिस और अर्धसैनिक बल अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं। वे आतंकवाद का मुक़ाबला करते हैं, तथा अपराधों की रोकथाम और कानून-व्यवस्था की रक्षा करते हैं। साथ-ही-साथ प्राकृतिक आपदाओं के समय, वे हम सबको सहारा देते हैं। जब हम उनके काम-काज और व्यक्तिगत जीवन में सुधार लाते हैं, तब हम अपने स्वाधीनता सेनानियों के सपनों का भारत बनाते हैं।

साथियो, मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से अत्यन्त गर्व का दिन है, जब मुझे होशियारपुर की धरती पर ऐसे प्रेरक परिवारों से आमने-सामने मिलने का अवसर मिल रहा है।

इनकी देशभक्ति से प्रेरणा लेकर अन्य राज्यों से भी ऐसे परिवार सामने आ रहे हैं जो कई पीढ़ियों से सेना का हिस्सा रहे हैं। आज हम देश के भीतर इसलिए सुरक्षित महसूस करते हैं क्योंकि कोई सीमा पर हमारे लिए तैनात है। हम कुछ भी करके ऐसे परिवारों का ऋण नहीं चुका सकते।

अंत में मैं, एक बार फिर आप सबका अभिनंदन करता हूँ। अपनी तरफ से, कृतज्ञ राष्ट्र की तरफ से आप सभी को कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ।